- 19th Year
- Issue: 252
- 19.01.2026 (MONDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

मुंबई में जीत, काजीरंगा में जश्न, असम में बोले नरेंद्र मोदी-कांग्रेस ने देश का भरोसा खो दिया

नयी दिल्ली १८/०१ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट की सबसे बड़ी पीड़ा हमेशा दूरी की रही है। दूरी दिलों की, दूरी स्थानों की। दशकों तक यहां के लोगों को ये महसूस होता रहा कि देश का विकास कहीं और हो रहा है और वे पीछे छूट रहे हैं। इसका असर केवल अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ा बल्कि भरोसे पर भी पड़ा। इस भावना को बदलने का काम भाजपा ने किया। डबल इंजन की सरकार ने नॉर्थ ईस्ट के विकास को प्राथमिकता बनाया। रोडवेज, रेलवे, एयरवेज और वाटरवेज के माध्यम से असम को जोड़ने का काम एक साथ शुरू हुआ। लेकिन कांग्रेस ने कभी इसकी परवाह नहीं की। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तो असम को बहुत कम रेल बजट मिलता था। लगभग 2000 करोड़ रुपये। अब भाजपा सरकार ने इसे बढ़ाकर लगभग 10,000 करोड़ रुपये सालाना कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब प्रकृति सुरक्षित होती है तो उसके साथ अवसर भी पैदा होते हैं। पिछले कुछ वर्षों में काजीरंगा में पर्यटकों की संज्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। होम स्टे, गाइड सेवाएं, परिवहन, हस्त शिल्प और छोटे व्यवसायों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आय के नए साधन मिले हैं। आज मैं असम के आप लोगों की, यहां की सरकार की एक और बात के लिए खासतौर पर तारीफ करूंगा। एक समय था जब काजीरंगा में राइनो के शिकार की घटनाएं असम की सबसे बड़ी चिंता बन चुकी थी। 2013-14 में एक सींग वाले दर्जनों राइनो मारे गए। भाजपा सरकार ने तय किया था कि हम ये नहीं चलने देंगे, अब ऐसा नहीं चलेगा।

हमने इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को नए सिरे से मजबूत किया, वन विभाग को आधुनिक संसाधन मिले, निगरानी तंत्र सशक्त हुआ, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई गई। इसका सुखद परिणाम भी सामने आया। 2025 में राइनो के शिकार की एक भी घटना सामने नहीं आई है। बीते कुछ समय में जितने भी चुनाव परिणाम आए हैं, उनका जनादेश स्पष्ट है। देश का वोटर आज गुड गवर्नेंस चाहता है, विकास चाहता है, वो विकास और विरासत दोनों पर फोकस करता है। इसलिए वो भाजपा को पसंद करता है... इन चुनावों का एक और संदेश है। कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को देश लगातार नकार रहा है। जिस मुंबई शहर में कांग्रेस का जन्म हुआ था वहां वो आज चौथे या पांचवें नंबर की पार्टी बन गई है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भाजपा पूरे देश में लोगों की पहली पसंद बन गई है। बीते एक-डेढ़ वर्षों से भाजपा पर देश का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल ही में बिहार में चुनाव हुए। वहां 20 वर्ष बाद भी जनता ने भाजपा को रिकॉर्ड वोट दिए हैं। रिकॉर्ड सीटें जिताई हैं। दो दिन पहले ही महाराष्ट्र के बड़े शहरों में मेयर और पार्षदों के चुनाव परिणाम आए हैं। मुंबई जो दुनिया के सबसे बड़े निगमों में से एक है, वहां की जनता ने पहली बार भाजपा को रिकॉर्ड जनादेश दिया। जीत मुंबई में हो रही है, जश्न काजीरंगा में मनाया जा रहा है। महाराष्ट्र के अधिकतर शहरों की जनता ने भाजपा को सेवा का अवसर दिया है। महाराष्ट्र और केरल के नगर निगम चुनावों में पार्टी की सफलता का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मतदाता सुशासन और विकास के लिए भाजपा पर भरोसा करते हैं। भाजपा देश में सबकी पहली पसंद बन गई है। पिछले डेढ़ साल में भाजपा पर देश का भरोसा लगातार बढ़ा है। हाल ही में बिहार में चुनाव हुए और जनता ने भाजपा को रिकॉर्ड जनादेश दिया। दो दिन पहले महाराष्ट्र के प्रमुख शहरों के नगर निगम चुनावों के परिणाम घोषित हुए।

मौनी अमावस्या पर सुबह 1.3 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई

प्रयागराज १८/०१ (संवाददाता): प्रयागराज में जारी माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या पर सुबह आठ बजे तक 1.3 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कल रात 12 बजे से ही स्नान करने के लिए लोगों का गंगा और संगम क्षेत्र में आना जारी है। इससे पूर्व, मकर संक्रांति के अवसर पर 1.03 करोड़ जबकि एकादशी पर लगभग 85 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया था। मंडलायुक्त सौज्या अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं को सही रास्ता दिखाने के लिए मेला प्रशासन ने खंभों पर 'रिज़्लेज़्टिव टेप' लगाए हैं और नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवक भी श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बतया कि माघ मेला 800 हेज़्टेयर क्षेत्र में सात सेज़्टरों में लगाया गया है।

मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय बनाए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। उन्होंने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक लोगों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बनाई गई है जहां ध्यान और योग आदि की सुविधाएं मौजूद हैं।

श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैज़्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलज़्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं।

उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए इस बार 42 अस्थायी पार्किंग हैं जिनमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन खड़े हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 में कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलज़्ध हैं।

प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर बवाल, शंकराचार्य ने स्नान से किया इनकार

प्रयागराज १८/०१ (संवाददाता): प्रयागराज के माघ मेले में आज मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम नोज पर बवाल मच गया। श्रद्धालुओं की अत्याधिक भीड़ होने की वजह से प्रशासन ने ज्योति पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वर सरस्वती के जुलूस को रोक दिया। पुलिस ने मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन होने का हवाला देते हुए शंकराचार्य को संगम तट पर जाने से रोका था, लेकिन इसके बाद समर्थकों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की हो गई। इससे मेला क्षेत्र में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। देखते ही देखते बवाल इतना बढ़ गया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्नान से ही इनकार कर दिया। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से समर्थकों को धक्का देकर पीछे हटाया। इस कार्रवाई से संतों में भारी रोष व्याप्त हो गया।

प्रयागराज में जारी माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या पर सुबह आठ बजे तक 1.3 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कल रात 12 बजे से ही स्नान करने के लिए लोगों का गंगा और संगम क्षेत्र में आना जारी है। इससे पूर्व, मकर संक्रांति के अवसर पर 1.03 करोड़ जबकि एकादशी पर लगभग 85 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया था। मंडलायुक्त सौज्या अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं को सही रास्ता दिखाने के लिए मेला प्रशासन ने खंभों पर रिज़्लेज़्टिव टेप लगाए हैं और नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवक भी श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बतया कि माघ मेला 800 हेज़्टेयर क्षेत्र में सात सेज़्टरों में लगाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय बनाए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। उन्होंने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक लोगों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बनाई गई है जहां ध्यान और योग आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैज़्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलज़्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं।

नए पार्षद नगर निगम को 'कमीशन का कारोबार' न समझें-फडणवीस

मुंबई १८/०१ (संवाददाता) महाराष्ट्र के मुज़्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित पार्षदों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अहंकार या पारदर्शिता की कमी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि नए पार्षद नगर निगम को ''कमीशन का कारोबार'' न समझें।भाजपा ने शुक्रवार को पुणे और पिंपरी चिंचवड महानगर पालिका के चुनावों में अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) तथा अन्य दलों को करारी शिकस्त दी। फडणवीस ने दोनों नगर निकायों के नवनिर्वाचित पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 30 से 35 वर्षों में पुणे में महानगर पालिका चुनावों में किसी अन्य पार्टी को ऐसी सफलता नहीं मिली है। उन्होंने कहा, एक तरह से पुणे की जनता ने हमारे प्रधानमंत्री मोदी के विकास एजेंडे पर अपनी मुहर लगा दी है। पूरा पुणे शहर इस विकास एजेंडे के साथ मजबूती से खड़ा रहा है और हमें स्पष्ट जनादेश दिया है। मुज़्यमंत्री ने कहा, विशेषकर पुणे में, मीडिया में भी मुकाबले को बेहद कड़ा बताया जा रहा था, जिससे यह धारणा बन रही थी कि लड़ाई बेहद करीबी होगी। लेकिन आप सभी ने, और मैं विशेष रूप से पुणे में हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं, इस कठिन मुकाबले को एकतरफा बना दिया और निर्णायक जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि यह जीत जिज़्मेदारी भी लाती है और जनता की उच्च अपेक्षाओं को दर्शाती है। फडणवीस ने कहा, अगर हम इस भरोसे पर खरे उतरते हैं, तो अगले 25 वर्षों तक हमारी स्थिति निर्विवाद रहेगी।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की सैन्य शक्ति और प्रधानमंत्री की राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण-अमित शाह

नयी दिल्ली १८/०१ (संवाददाता) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की अजेय सैन्य शक्ति का प्रमाण है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और सशस्त्र बलों की निर्णायक मारक क्षमता से बल मिला।गृह मंत्री ने शनिवार को भारत मंडपम में आयोजित विश्व पुस्तक मेले के दौरान ये टिप्पणियां कीं। शाह ने 'वंदे मातरम पवेलियन' व 'ऑपरेशन सिंदूर पवेलियन' का दौरा किया और देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी भी देखी।उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित साहित्यिक कृति आनंद मठ में वर्णित वंदे मातरम् गीत ने लाखों भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम छेड़ने और ब्रिटिश शासन को समाप्त करने के लिए प्रेरित किया। शाह ने जनता से मेले में आने का आग्रह किया और बच्चों को आनंद मठ की प्रतियां वितरित कीं। शाह ने 'एज़्स' पर कहा, नयी दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में अपने जैसे पुस्तक प्रेमियों के साथ शामिल हुआ। पुस्तकें ज्ञान प्राप्त करने का सर्वोज़म माध्यम हैं और व्यक्ति को उम्र की परवाह किए बिना पढ़ना जारी रखना चाहिए। पढ़ने की आदत तेजी से लुप्त हो रही है और मेरा मानना है कि पुस्तकें, चाहे डिजिटल हों या मुद्रित, ज्ञान प्राप्त करने का सर्वोज़म तरीका हैं।गृह मंत्री ने सात नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में पहली बार प्रकाशित राष्ट्रगीत के प्रति सज़्मान व्यक्त किया। सरकार द्वारा जारी एक बयान में शाह के हवाले से कहा गया, ऑपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, सशस्त्र बलों की निर्णायक मारक क्षमता और सटीक खुफिया जानकारी से संचालित भारत की अजेय सैन्य शक्ति का प्रमाण था।

मवेशी तस्करों के खिलाफ छापेमारी, 10 लोग गिरफ्तार, 50 करोड़ रुपये की संपज़ि जज़्त

भुवनेश्वर १८/०१ (संवाददाता) ओडिशा पुलिस ने कथित मवेशी तस्करी के सिलसिले में भद्रक, जाजपुर, ज़्योंझर, मयूरभंज और खुर्दा जिलों में 46 स्थानों पर छापेमारी की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अवैध मवेशी तस्करों के खिलाफ यह अभियान तड़के शुरू किया गया और इसमें दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पांच पुलिस उपाधीक्षक, 25 निरीक्षक, 36 उपनिरीक्षक और अतिरिक्त उपनिरीक्षक तथा बल की 18 प्लाटून शामिल थीं।उन्होंने कहा कि शाम तक की छापेमारी में पुलिस टीमों ने 1.52 करोड़ रुपये नकद, 1.131 किलोग्राम सोना, 3.80 किलो चांदी, 23 चार पहिया वाहन, 23 दो पहिया वाहन, 13 मोबाइल फोन और 21 घड़ियां जज़्त कीं।ज़्योंझर के पुलिस अधीक्षक नितिन कुसालकर ने बताया, हमने 10 पशु तस्करों को गिरज़्तार किया है और उनके पास से लगभग 50 करोड़ रुपये की संपज़ि बरामद की है, जिनमें मकान, बैंक जमा, जमीन और अन्य संपज़ियां शामिल हैं। ये संपज़ियां अवैध पशु तस्करी से अर्जित धन से जमा की गई थीं।उन्होंने बताया कि इन संपज़ियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 के तहत जज़्त किया जाएगा। पुलिस ने गिरज़्तार किए गए लोगों की पहचान भद्रक के एसके राजन उर्फ ??ताजुद्दीन, ज़्योंझर के टीपू सुल्तान, कुनु साहू, अर्जुन साहू, एसके अकबर, नासिर और सिपू साहू तथा मयूरभंज जिले के मृत्युंजय महापात्रा, सुजीत मोहंती और के. नईम के रूप में की है। अधिकारी ने बताया कि भद्रक कस्बे में पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में तीन निरीक्षक, छह उपनिरीक्षक और कर्मियों की दो प्लाटून वाली एक बड़ी पुलिस टीम ने एक संदिग्ध मवेशी तस्कर के आवास पर छापा मारा.

ममता बनर्जी ने सीजेआई से संविधान, न्यायपालिका और लोकतंत्र की रक्षा करने का आग्रह किया

कलकज़ा १८/०१ (संवाददाता) पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत से देश के संविधान, लोकतंत्र और न्यायपालिका की रक्षा करने का शनिवार को आग्रह किया। कलकज़ा उच्च न्यायालय की जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच के भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में बनर्जी ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत से देश के लोगों को ''एजेंसियों'' द्वारा गलत तरीके से निशाना बनाये जाने से बचाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''कृपया देश के संविधान, लोकतंत्र, न्यायपालिका, इतिहास और भूगोल को विनाश से बचाएं।''

बनर्जी ने कहा, ''आप (प्रधान न्यायाधीश) हमारे संविधान के संरक्षक हैं। हम आपके कानूनी संरक्षण में हैं। न्यायपालिका में आपसे श्रेष्ठ कोई नहीं है। देश की जनता की ओर से हम निवेदन करते हैं कि जाति या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव न हो। आइए हम एकता के लिए काम करें, बोलें और सोचें।''

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने प्रधान न्यायाधीश से आग्रह किया कि मामलों के निपटारे से पहले उनके ''मीडिया ट्रायल'' को पूरी तरह से बंद किया जाये। उन्होंने कहा, मामलों के निपटारे से पहले ही 'मीडिया ट्रायल' का चलन बढ़ता जा रहा है। इसे रोकना होगा।मुज़्यमंत्री ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत से वकीलों की नयी पीढ़ी का ध्यान रखने का भी आग्रह किया और आरोप लगाया कि कनिष्ठ वकील संघर्ष कर रहे हैं और उन्हें उनके उचित लाभ नहीं मिल रहे हैं।

बनर्जी ने कहा कि हालांकि केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल में त्वरित अदालतों के लिए ''धनराशि देना बंद कर दिया'' है, फिर भी उनकी सरकार ने ऐसी 88 अदालतें स्थापित की हैं।

उन्होंने कहा, ''हम अदालतों पर पहले ही 1,200 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर चुके हैं। कृपया बुरा न मानें (उपस्थित लोगों में केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का उल्लेख करते हुए); हालांकि केंद्र ने धनराशि रोक दी है लेकिन हम त्वरित अदालतों की स्थापना को जारी रख रहे हैं।''

मुज़्यमंत्री ने कहा कि इनमें से 52 अदालत महिलाओं के लिए हैं, सातपॉज़्सो अदालत हैं, चार श्रम अदालत हैं और 19 मानवाधिकार अदालत हैं। उन्होंने कहा कि जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच की नयी इमारत ''कलकज़ा उच्च न्यायालय (भवन) से बेहतर'' है।

उन्होंने बताया कि यहां भवन निर्माण के लिए लगभग 40.08 एकड़ की प्रमुख भूमि आवंटित की गई थी और राज्य सरकार ने इस पर 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, कलकज़ा उच्च न्यायालय के मुज़्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल, उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, पश्चिम बंगाल के एडवोकेट जनरल किशोर दज़ा और मेघवाल समेत कई गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित थे।

विविध समाचार

ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट पर गंगा आरती जारी रहेगी, उच्च न्यायालय ने शर्तों के साथ दी अनुमति

ऋषिकेश, १८/०१ (संवाददाता): ऋषिकेश, जिसे विश्व की योग राजधानी कहा जाता है, अपनी आध्यात्मिकता और शांति के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यहाँ के त्रिवेणी घाट पर होने वाली गंगा आरती केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जो आत्मा को शांति और दिव्यता से भर देता है। लेकिन इसे लेकर कुछ विवाद हुआ। उज़राखंड उच्च न्यायालय ने ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। अदालत ने जनहित और श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को प्राथमिकता देते हुए आरती को कुछ शर्तों के साथ जारी रखने की अनुमति दे दी है।

न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की अवकाशकालीन पीठ ने जनहित और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह आदेश पारित किया। मामले के अनुसार, ऋषिकेश नगर निगम ने एक आदेश जारी कर श्री

गंगा सभा को गंगा आरती करने से इस आधार पर रोक दिया था कि उसका पंजीकरण समाप्त हो चुका है और इसलिए उसे आरती करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

नगर निगम ने श्री गंगा सभा पर व्यावसायिक शोषण और गंदगी फैलाने के आरोप भी लगाए थे। नगर निगम के इस आदेश को चुनौती देते हुए श्री गंगा सभा ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय ने गंगा आरती के सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीन सांस्कृतिक और सज्यतागत विरासत का हिस्सा है और इसे अचानक रोकना उचित नहीं है। न्यायालय ने कहा कि वर्षों से जारी परंपरा को बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के अचानक समाप्त करना जनहित में नहीं है और इससे तीर्थयात्रियों तथा पर्यटकों को गंभीर असुविधा हो सकती है।

हालांकि न्यायालय ने यह स्वीकार किया कि श्री गंगा सभा का पंजीकरण समाप्त हो चुका है और उसके पास कोई स्थायी अधिकार नहीं है, लेकिन अस्थायी व्यवस्था के रूप में गंगा आरती जारी रखने की अनुमति देना आवश्यक बताया। न्यायालय ने इस मामले की अगली सुनवाई 25 मार्च को निर्धारित की है और तब तक श्री गंगा सभा को आरती करने से रोकने के नगर निगम के आदेश पर रोक लगा दी है। साथ ही न्यायालय ने निर्देश दिया कि श्री गंगा सभा आरती में भाग लेने के लिए किसी भी श्रद्धालु से कोई प्रवेश शुल्क या धन नहीं लेगी।नगर निगम की अनुमति के बिना फूल, दीये और अन्य पूजा सामग्री बेचने वाले स्थानीय दुकानदारों से कोई कमीशन या किराया भी नहीं लिया जाएगा। न्यायालय ने यह भी कहा कि घाट पर गंदगी न फैले, यह सुनिश्चित करने की पूरी जिज़्मेदारी श्री गंगा सभा की होगी। आरती के बाद फूल, कपूर, तेल आदि के अवशेषों का उचित निपटान अनिवार्य रूप से किया जाएगा ताकि गंगा नदी प्रदूषित न हो।

त्रिवेणी घाट ऋषिकेश का सबसे बड़ा और सबसे पवित्र घाट है। माना जाता है कि यहाँ तीन पवित्र नदियों— गंगा, यमुना और सरस्वती—का अदृश्य संगम होता है। श्रद्धालु यहाँ पितृ तर्पण और पवित्र स्नान के लिए आते हैं, लेकिन शाम होते ही यहाँ का नजारा पूरी तरह बदल जाता है।

त्रिवेणी घाट की आरती का आयोजन अज़्सर गीता भवन ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। यहाँ की विशेषता यह है कि यह अन्य घाटों की तुलना में अधिक शांत और सामुदायिक अहसास कराती है। यहाँ बैठकर भक्त गंगा मैया के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्हें जीवन देने वाली देवी माना जाता है।

टीएमसी के मेगा-जंगलराज को खत्म करने के लिए तैयार है बंगाल, सिंगूर में बोले मोदी- घुसपैठियों को उनके घर भेजना होगा

सिंगूर १८/०१ (संवाददाता): प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगूर की रैली में कहा कि पश्चिम बंगाल में हर कोई तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के 'महाजंगल राज' को खत्म करना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगूर की रैली में कहा कि बंगाल के लोग तृणमूल कांग्रेस के 'कुशासन' से तंग आ चुके हैं और पार्टी को सज़ा से बेदखल करना चाहते हैं। हमें पश्चिम बंगाल और देश के विकास के लिए वंदे मातरम् को मंत्र बनाना होगा। भाजपा के केंद्र में सज़ा में आने के बाद बांग्ला को शास्त्रीय का दर्जा मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस केंद्र में संप्रग सरकार का हिस्सा रही थी, लेकिन तत्कालीन सरकार ने बांग्ला को शास्त्रीय का दर्जा नहीं दिया। मैं बंगाल की जनता की सेवा करना चाहता हूं, लेकिन तृणमूल सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचने से रोक रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगूर की रैली में पूछा ज़्या बंगाल की जनता के हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को दंडित नहीं

किया जाना चाहिए। आगामी विधानसभा चुनावों में बंगाल की जनता 'ज़रूर' तृणमूल सरकार को सबक सिखाएगी। बंगाल के विकास के लिए राज्य को भाजपा के 'डबल इंजन' वाली सरकार की जरूरत है। बंगाल की शिक्षा व्यवस्था तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार की गिरज़्त में है, छात्र गुणवज़ापूर्ण शिक्षा से वंचित हैं। भ्रष्टाचार के कारण शिक्षकों की नौकरी न जाए, इसके लिए आपको भाजपा को वोट देना जरूरी है। तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही और घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही, जो उसका 'वोट बैंक' हैं। पीएम मोदी ने कहा कि फर्जी दस्तावेजों के साथ बंगाल में रह रहे घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें उनके देशों में वापस भेजना होगा।

सिंगूर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी-अभी भाजपा और एनडीए ने बिहार में जंगलराज को एक बार फिर से रोका है। अब पश्चिम बंगाल भी ज़ख्ष्ट के महा-जंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है। हुगली और वंदे मातरम् का रिश्ता तो और भी विशेष है। कहते हैं कि यहीं पर ऋषि बंकिम जी ने वंदे मातरम् को उसका पूर्ण स्वरूप दिया। जिस प्रकार वंदे मातरम् आजादी का उद्घोष बना था। उसी तरह हमें वंदे मातरम् को पश्चिम बंगाल और भारत को विकसित बनाने का मंत्र भी बनाना है।

नरेन्द्र मोदी ने काजीरंगा कॉरिडोर की आधारशिला रखी, दो अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

१८/०१ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को असम के नगांव जिले में 6,957 करोड़ रुपये की काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखी और दो अमृत भारत एज़्सप्रेस ट्रेनों को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई।

असम की अपनी दो दिवसीय यात्रा के अंतिम चरण में गुवाहाटी से यहां पहुंचे मोदी ने काजीरंगा परियोजना के भूमि पूजन में हिस्सा लिया। एक अधिकारी ने कहा कि यह कॉरिडोर काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बाघ अज़्यारण्य के निकट

वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने, राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया जाएगा, जबकि स्थानीय रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-715 के कलियाबोर-नुमलिगढ़ खंड को चौड़ी करने के लिए जारी परियोजना का हिस्सा है, और इसमें करीब 34.45 किलोमीटर मीटर लंबा एलिवेटेड और वन्यजीवों के अनुकूल कॉरिडोर होगा, साथ ही जखलाबंधा और बोकाखत में बाईपास भी बनाए जाएंगे।

मोदी ने काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर के एक मॉडल का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने दो अमृत भारत एज़्सप्रेस ट्रेनों ङ्क डिज़रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाज़्या-रोहतक ङ्क को भी डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई।अधिकारी ने कहा कि ये ट्रेन असम और पश्चिम बंगाल, बिहार, उज़र प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा जैसे विभिन्न राज्यों के बीच लंबी दूरी की रेल कनेज़्टिविटी में महत्वपूर्ण सुधार लाएंगी, यात्रा का समय कम होगा, और आधुनिक यात्री सुविधाएं मिलेंगी।प्रधानमंत्री ने इससे पहले एक पोस्ट में कहा कि वह असम के कलियाबोर में प्रमुख विकास कार्यों के भूमि पूजन के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने 'एज़्स' पर लिखा, आज मैं कालियाबोर, असम के काजीरंगा में 35 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर समेत प्रमुख विकास कार्यों के भूमि पूजन को लेकर उत्सुक हूं। इससे विशेष रूप से मानसून के दौरान जानवरों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नज़्सली नेता ढेर

बीजापुर १८/०१ (संवाददाता):छज़ीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नज़्सलियों का एक शीर्ष नेता मारा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार माओवादियों की केंद्रीय समिति कासदस्य गौतम उर्फ सुधाकर इस मुठभेड़ में मारा गया है।हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में केंद्रीय समिति के सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर, तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव तथा कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडरों की मौजूदगी की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय

रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को नज़्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नज़्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नज़्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में नज़्सलियों के एक शीर्ष नेता को मार गिराया है।

अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। घटनास्थल से बरामद शव और वस्तुओं के संबंध में अधिक जानकारी एकत्र की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मुठभेड़ में बड़ी सफलता मिलने की भी जानकारी है। इससे पहले, सुरक्षाबलों ने 21 मई को राज्य के बीजापुर-नारायणपुर जिले की सीमा पर स्थित अबूझमाड़ के जंगल में मुठभेड़ के दौरान प्रतिबंधित भारतीय कज़्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के महासचिव बसवराजू और 26 अन्य नज़्सलियों को मार गिराया था।

नवनीत राणा के कारण हारे...22 भाजपा उमीदवारों ने फडणवीस को लिखा पत्र

मुंबई १८/०१ (संवाददाता): चुनाव के बाद नाटकीय घटनाक्रम में अमरावती नगर निगम (एएमसी) चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 22 उज़्मीदवारों ने महाराष्ट्र के मुज़्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूर्व सांसद नवनीत राणा को पद से हटाने का आग्रह किया है। उज़्मीदवारों का आरोप है कि नवनीत राणा ने पार्टी के उज़्मीदवारों के खिलाफ प्रचार करके पार्टी को कमजोर किया है। 15 जनवरी को हुए चुनावों में भाजपा की सीटों में भारी गिरावट आई, जिससे टूटे हुए गठबंधन के बीच विश्वासघात के आरोप और भी बढ़ गए हैं।

चुनाव में करारी हार87 सदस्यीय एएमसी में भाजपा को पिछली बार की 45 सीटों के मुकाबले मात्र 25 सीटें मिलीं, जबकि रवि राणा की युवा स्वाभिमान पार्टी (वाईएसपी) को 3 के मुकाबले 15 सीटें मिलीं। अन्य दलों को कांग्रेस (15), एआईएमआईएम (12), एनसीपी (11), शिवसेना (3), बसपा (3), शिवसेना (यूबीटी) (2), वंचित बहुजन अघाड़ी (1) की सीटें मिलीं। चुनाव से पहले,

भाजपा और वाईएसपी (विधायक रवि राणा, नवनीत के पति के नेतृत्व में) ने संबंध तोड़ लिए थे, फिर भी भाजपा के एक स्थानीय नेता ने जोर देकर कहा कि नवनीत भगवा उज़्मीदवारों का समर्थन करेंगी। इसके विपरीत, उन्होंने कथित तौर पर भाजपा उज़्मीदवारों को ङ्कबेवकूफङ्क करार दिया और वाईएसपी को ङ्कअसली भाजपाङ्क के रूप में पेश किया।

22 शिकायतकर्ताओं में से 20 हारे और 2 जीते, लेकिन सभी नवनीत के हस्तक्षेप की ओर इशारा कर रहे हैं। मुज़्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा, हम समर्पित, मेहनती पार्टी कार्यकर्ता हैं जो समाज से जुड़े हुए हैं। हमारी हार विपक्ष की वजह से नहीं, बल्कि वरिष्ठ भाजपा नेता नवनीत राणा के खुलेआम हमारे खिलाफ प्रचार करने की वजह से हुई है।

उन्होंने चेतावनी दी है कि नवनीत राणा को पार्टी में बनाए रखने से अमरावती में भाजपा की पकड़ कमजोर हो सकती है और उन्हें तत्काल निष्कासित करने की मांग की है।नवनीत राणा की प्रतिक्रिया अभी तक नहीं आई है, जिससे विवाद अधर में लटका हुआ है। यह दरार गठबंधन टूटने के बाद महाराष्ट्र भाजपा, विशेषकर विदर्भ में, गहरी होती दरारों को उजागर करती है।

प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल समाज के कल्याण के लिए हो, लोगों को इसका गुलाम नहीं बनना चाहिए-भागवत

नयी दिल्ली १८/०१ (संवाददाता): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल समाज के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन लोगों को इसका गुलाम नहीं बनना चाहिए। युवा उद्यमियों से बातचीत में भागवत ने इस पर जोर दिया कि स्वदेशी का उपयोग करने का मतलब प्रौद्योगिकी को नकारना नहीं है।

यह संवाद आरएसएस के शताज़्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अपरिहार्य है और अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम इस पर इस हद तक निर्भर न हो जाएं कि यह हमें नियंत्रित करने लगे।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि व्यापार और उद्योग को केवल लाभ के उद्देश्य से संचालित नहीं किया जाना चाहिए। भागवत ने कहा, हम सिर्फ अपने फायदे के लिए नहीं, बल्कि समाज की भलाई

के लिए काम करते हैं। आजीविका कमाना और सामाजिक जिज़्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए। कृषि का उदाहरण देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतीय किसान अज़्सर खेती को महज पेशा नहीं बल्कि अपना कर्तव्य मानते हैं। भागवत ने कहा, यह नेक विचार शायद ही कहीं और देखने को मिलता है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा काम समाज-केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी को भारत की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुकूल बनाया जाना चाहिए, और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि प्रौद्योगिकी समाज को नुकसान न पहुंचाए या रोजगार के अवसरों को कम न करे।

ईरान में फांसी की सजा रद्द होने और अमेरिका के हमले टालने से तनाव कम हो रहा-थरूर

नयी दिल्ली १८/०१ (संवाददाता): कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि ईरान में तनाव कम हो रहा है, ज़्योंकि वहां की सरकार ने 800 से अधिक लोगों के मृत्युदंड को रद्द कर दिया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल किसी भी हमले को टालने का फैसला किया है।थरूर ने कहा कि ये आशाजनक संकेत हैं कि तनाव कम हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए जाने के बीच फांसी की सजा को रद्द किया जाना और अमेरिका का हमलों को टालना ''अच्छे संकेत'' हैं।

तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र के अन्य देश इस क्षेत्र में शांति और व्यवस्था चाहेंगे ज़्योंकि ईरान से शरणार्थी उनके देशों में प्रवेश करेंगे। थरूर ने कहा, ''हालात के बेकाबू होने से भू-राजनीतिक परिणामों को लेकर भी शायद कुछ चिंता है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पैदा आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की मानें तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउंड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

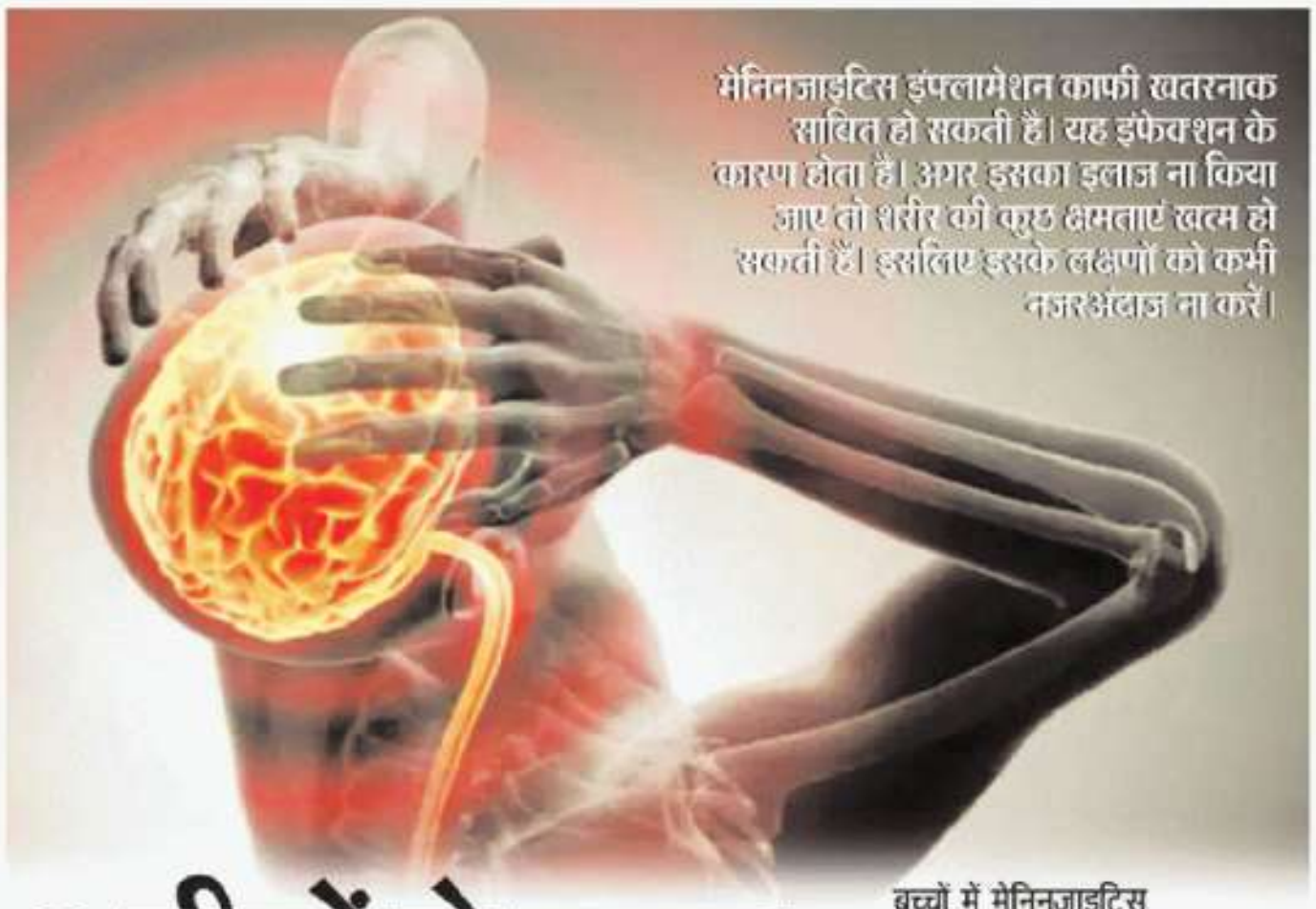

3 चीजों से बनता है मेनिनजाइटिस तुरंत चाहिए इलाज

दिमाग को बॉडी का प्रमुख कहा जाता है। यह शरीर के बाहरी और अंदरुनी सारे काम कंट्रोल करता है। अगर इसमें कोई भी खराबी आ जाए तो शरीर में भी खराबी आने लगती है। मेनिनजाइटिस भी दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी समस्या है। इसके अंदर दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के आसपास के मेंब्रेन में इंफ्लामेशन आ जाती है। इसमें मरीज को तुरंत इलाज की जरूरत पड़ती है वरना शरीर कई काम करने बंद कर सकता है। यह बीमारी काफी खतरनाक है, इस कारण वर्ल्ड मेनिनजाइटिस डे की तारीख 24 अप्रैल से 5 अक्टूबर बदल दी गई। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें शामिल हो सकें।

मेनिनजाइटिस होने के पीछे इंफेक्शन होते हैं। यह वायरल, बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन की वजह से हो सकता है। वायरल इंफेक्शन सबसे ज्यादा मेनिनजाइटिस के लिए जिम्मेदार देखा गया है। हालांकि दूसरे इंफेक्शन ज्यादा खतरनाक रूप ले सकते हैं।

मेनिनजाइटिस के लक्षण

इसके लक्षण कारण पर निर्भर करते हैं। हालांकि, कुछ आम संकेत निम्नलिखित हैं, जो किसी और बीमारी के कारण भी हो सकते हैं।

- भूख मरना
- चिड़चिड़ापन
- उल्टी
- डायरिया
- सांस की दिक्कत
- सिरदर्द
- बुखार
- गर्दन में अकड़न
- लाइट से सेंसिटिविटी
- ज्यादा नींद आना

बच्चों में मेनिनजाइटिस

यह इंफ्लामेशन छोटे बच्चों को भी हो सकती है। उनके अंदर निम्नलिखित लक्षण दिख सकते हैं।

- बुखार
- शरीर में अकड़न
- तेज रोना
- बच्चा शांत ना होना
- ज्यादा सोना
- चल ना पाना
- चिड़चिड़ापन

शरीर ये काम कर देता है बंद

मेनिनजाइटिस के कारण शरीर को काफी नुकसान झेलना पड़ सकता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो सुनने की क्षमता, याददाश्त, देखने की क्षमता कम हो जाती है। इसकी वजह से दौरा पड़ना, माइग्रेन, ब्रेन डैमेज, सबड्यूरल एम्पायमा, हाइड्रोसेफालस भी हो सकता है।

फैल भी सकता है मेनिनजाइटिस

मेनिनजाइटिस संक्रामक भी हो सकता है। इसके कुछ प्रकार एक मरीज से दूसरे मरीज तक फैल सकते हैं। मरीज के खांसने, छींकने या चुंबन लेने से यह स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित बना सकता है। इंफेक्शन फैलाने वाले मरीजों में यह वायरस या बैक्टीरिया अक्सर गले या नाक में मौजूद रहता है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अपनाए ये घरेलू उपाय

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम–काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है। नियमित दो बार 10–20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े–थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करे ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

न जिम-न डाइटिंग, हल्दी से अंदर धंसेगी लटकती तोंद

अगर आप सोच रहे है कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत है। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ–साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते है। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते है। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते है कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते है।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते है। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते है।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते है

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका है पानी

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हैल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार–बार पानी पीते रहना चाहिए।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखूनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रुक जाएंगे।

पाचन में मदद करता है

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाइवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाइट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

सोमवार 19 जनवरी 2026

अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा

नेशनल मेडिकल कमीशन ने जमू-कश्मीर के रियासी में स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की मान्यता रद्द कर दी। इस खबर को पढ़ते ही शौक़ बहराइची का मशहूर शेर याद आ गया कि- बर्बाद गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफ़ी था। हर शाख़ पे उल्लू बैठा है अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा।। देश में पहले से अच्छे उच्च शिक्षा संस्थानों की भारी कमी है। धार्मिक स्थलों के निर्माण, सौंदर्यीकरण, रख-रखाव पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, सरकार में बैठे लोगों का रोजमर्रा का खर्च लाखों में होता है, फिजूल के प्रचार कार्यक्रमों में करोड़ों रुपए खर्च कर दिए जाते हैं, लेकिन जब उच्च कोटि के अस्पतालों और शिक्षा संस्थानों के निर्माण और उन्नयन की बारी आती है तो सरकार के पास धन की कमी दिखाई जाती है। छात्रों को पढ़ने और शोध कार्यों के लिए आसानी से धन मुहैया कराने की जगह सरकार का ध्यान शिलान्यासों और हरी झंडी दिखाने में लगा रहता है। ऐसे में एक मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द कर देना ऐसा फैसला है, जिस पर सिर ही पीटा जा सकता है। मान्यता रद्द करने के पीछे मानकों का पालन न होने को कारण बताया जा रहा है। लेकिन असल मुद्दा यही है कि पिछले काफी वक्त से इस मेडिकल कॉलेज में मुस्लिम छात्रों को मिले दाखिले पर हिंदू संगठन आपत्ति जता रहे थे और इसके लिए बाकायदा संघर्ष समिति बनाकर आंदोलन किया जा रहा था। दरअसल इस मेडिकल कॉलेज के पहले एमबीबीएस बैच के 50 छात्रों में से 42 मुस्लिम, एक सिख और केवल 8 हिंदू छात्र ज मू क्षेत्र से होने की जानकारी सामने आई थी। अधिकतर छात्र कश्मीर से थे। इसी पर हिंदूवादी संगठन हंगामा मचा रहे थे कि जब मेडिकल कॉलेज हिंदुओं के दिए दान से चल रहा है, तो उसमें मुस्लिम छात्रों को दाखिला क्यों दिया जा रहा है। आंदोलनकारी बाकायदा कॉलेज को बंद करने की मांग ही कर रहे थे। जो अब शायद मानकों के बहाने से पूरी कर दी गई है। ज मू-कश्मीर के मु यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस फैसले पर निराश होते हुए कहा है कि उन बच्चों ने मेहनत करके सीट हासिल की है, यह किसी का उन पर एहसान नहीं है- न मेरा, न यूनिवर्सिटी का। उन्होंने परीक्षा पास करके सीट प्राप्त की है। अब अगर आप उन्हें वहां नहीं पढ़ाना चाहते, तो कहीं और उनका इंतजाम कीजिए। वे किसी के एहसान पर नहीं आए हैं। वहीं महबूबा मु ती ने कहा कि बीमारी का इलाज करने के बजाय, मरीज को बिना किसी गलती के दंडित किया जा रहा है। अधिक चिंताजनक बात यह है कि यदि एसएमवीडी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो इसे अन्य जगहों पर भी दोहराया जा सकता है, जिससे मेहनती युवाओं का भविष्य गंभीर खतरे में पड़ जाएगा। गौरतलब है कि नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने एसएमवीडी से एमबीबीएस कोर्स चलाने की इजाजत वाले आदेश को वापस ले लिया है। इसके बाद से ही छात्र और उनके शिक्षक चिंतित हैं। फैकल्टी सदस्यों ने आरोप लगाया कि हिंदुत्ववादी संगठनों के आंदोलन ने एनएमसी के फैसले को प्रभावित किया है। बता दें कि 2 जनवरी को एनएमसी ने संस्थान का औचक निरीक्षण किया और महज 15 मिनट में फैसला लिया कि 2025-26 सत्र के लिए एमबीबीएस कोर्स चलाने के लिए दी गई अनुमति वापस ली जाती है। एक बयान में कहा गया है कि यह फैसला अधोसंरचना में गंभीर कमियों के आधार पर लिया गया है। मेडिकल एजुकेशन रेगुलेटर के अनुसार, पिछले दो ह तों में खराब इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लिनिकल मटीरियल की कमी और फैकल्टी एवं रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी की कई शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। बोर्ड ने मंगलवार को एक आदेश जारी किया। रिपोर्ट के अनुसार कॉलेज में शिक्षकों की सं या करीब 39 प्रतिशत कम थी। ट्यूटर, डेमोंस्ट्रेटर और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर भी 65 प्रतिशत कम मिले। मरीजों की सं या भी निर्धारित मानकों से काफी कम मिली। दोपहर 1 बजे तक ओपीडी में सिर्फ 182 मरीज मौजूद थे, जबकि कम से कम 400 मरीज होने चाहिए थे। अस्पताल में केवल 45 प्रतिशत बेड पर मरीज थे, जबकि मानक 80 प्रतिशत का है। आईसीयू में भी क्षमता से आधे मरीज थे।

फासीवाद भैया तेजी से आयी

राजेंद्र शर्मा

बिहार का, जहां सर की प्रक्रिया विधानसभा चुनाव से पहले पूरी करा ली गयी गयी थी और अन्य करीब दस राज्यों का इस प्रक्रिया का अब तक का अनुभव इसका गवाह है कि असम की एनआरसी की तरह, सर प्रक्रिया भी कथित विदेशी घुसपैठियों की पहचान करने में बुरी तरह से विफल ही रही है। और यह वर्तमान सरकार तथा उसके संचालक संघ परिवार के प्रयासों में किसी कमी की वजह से नहीं है। यह सबसे बढ़कर इसलिए है कि घुसपैठ और खासतौर पर बांग्लादेशियों की घुसपैठ, संघ परिवार द्वारा निरंतर प्रचार के जरिए गढ़ा गया एक सांप्रदायिक मिथक है।

नये साल, 2026 में फासीवाद के आगमन की र तार और तेज होती लगती है। कम से कम नये साल के पहले दस-बारह दिनों को देखकर, तो आसार ऐसे ही नजर आ रहे हैं। सब से पहले सर (एसआइआर) यानी मतदाता सूचियों के सघन पुनरीक्षण की सुर्खियों से शुरू कर सकते हैं। सर ही सबसे पहले इसलिए कि इसका सीधा संबंध मताधिकार से बल्कि ठीक-ठीक कहें तो मताधिकार के छीने जाने की हद और उसके स्वरूप से है। और मताधिकार गायब, तो चुनाव भी गायब। और चुनाव ही तो वह आखिरी पर्दा है, जो फासीवादी चेहरे को खुलकर सामने आने से रोकता है। और सर के सिलसिले में नये साल की सबसे बड़ी सुर्खी तो यही है कि उत्तर प्रदेश में ही मसौदा मतदाता सूची में पूरे 2 करोड़ 89 लाख मतदाताओं के नाम कट चुके हैं। यह सं या उन मतदाताओं की है, जिनके नाम पिछले ही साल इसी राज्य में और इसी चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशन में संशोधित की गयी मतदाता सूचियों में मौजूद थे और जो 2024 के आम चुनाव में भी मतदाता था, जिसके नतीजे से नरेंद्र मोदी तीसरे कार्यकाल में सरकार चला रहे हैं।

वैसे तो उत्तर प्रदेश का मामला अन्य दसेक राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से खास अलग भी नहीं है, जहां भी अब तक सर नाम की इस प्रक्रिया के पांव पड़े हैं। जैसाकि योगेंद्र यादव समेत इस मामले पर लगातार नजर बनाए हुए अधिकांश विश्लेषणकर्ता शुरूआत से ही कहते आ रहे हैं, इस प्रक्रिया को गढ़ा ही इस प्रकार गया है कि यह मतदाताओं की छंटनी का ही काम करती है। वास्तव में ठीक ऐसा ही होने के डर से, अपवादस्वरूप असम को सर की प्रक्रिया के दायरे से बाहर रखते हुए, वहां मतदाता सूचियों में सामान्य सुधार ही काफी समझा गया है, क्योंकि वही सत्ताधारी भाजपा के राजनीतिक हित में बैठता है। यह दिलचस्प है कि असम को सर प्रक्रिया के लिए अपवाद बनाए जाने के लिए, वहां कुछ ही वर्ष पहले जो एनआरसी या राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर प्रक्रिया हो चुकी होने की दलील दी गयी है, वर्तमान एसआइआर पर उसी प्रक्रिया का आवरण होने के इल्जाम लगते रहे हैं।

वैसे दिलचस्प यह भी है कि असम में एनआरसी की प्रक्रिया से बहुत बड़ी सं या में कथित बांग्लादेशी पकड़े जाने की उ मीद में, इस बहुत महंगी तथा आम लोगों के लिए बहुत ही तकलीफदेह प्रक्रिया का जोर-शोर से समर्थन करने वाले, भाजपायी राज्य सरकार समेत आरएसएस विचार-परिवार के तमाम संगठनों को तब सांप सूंघ गया, जब इस प्रक्रिया के नतीजे सामने आये। बेशक, एनआरसी की प्रक्रिया में लगभग 20 लाख लोगों को पराया बताया गया था, लेकिन संघ-भाजपा की उ मीदों के विपरीत, उनमें प्रचंड बहुमत हिंदुओं का था, जिनमें बांग्लादेश से आए हिंदुओं के अलावा एक बड़ी सं या देश के दूसरे हिस्सों से आकर पिछले अनेक वर्षों में असम में बस गए हिंदुओं की थी। नतीजा यह कि नरेंद्र मोदी के डबल इंजन राज में असम में, एनआरसी की उक्त कसरत के नतीजों को कई वर्ष बाद भी अंतिम रूप देकर प्रकाशित किया ही नहीं जा सका है।

जहां सर की प्रक्रिया विधानसभा चुनाव से पहले पूरी करा ली गयी गयी थी और अन्य करीब दस राज्यों का इस प्रक्रिया का अब तक का अनुभव इसका गवाह है कि असम की एनआरसी की तरह, सर प्रक्रिया भी कथित विदेशी घुसपैठियों की पहचान करने में बुरी तरह से विफल ही रही है। और यह वर्तमान सरकार तथा उसके संचालक संघ परिवार के प्रयासों में किसी कमी की वजह से नहीं है। यह सबसे बढ़कर इसलिए है कि घुसपैठ और खासतौर पर बांग्लादेशियों की घुसपैठ, संघ परिवार द्वारा निरंतर प्रचार के जरिए गढ़ा गया एक सांप्रदायिक मिथक है। अशांति के दौरों को छोड़कर, अवैध रूप से सीमा पार कर के भारतीय इलाकों में बसने की कोई आम प्रवृत्ति, कम से कम पिछले अनेक वर्षों से नहीं देखने में आयी है। लेकिन, घुसपैठियों के खतरे का मिथक, संघ-भाजपा के राजनीतिक तरकश का इतना महत्वपूर्ण तीर है कि किसी भी जांच के नतीजे उन्हें यह झूठा हौवा खड़ा करने से रोक नहीं सकते हैं। तभी तो हालांकि, बिहार में एसआइआर में, भाजपा तथा संघ परिवार ही नहीं, खुद चुनाव आयोग के सारे प्रचार के बावजूद, अंततः विदेशी होने के लिए मतदाता सूची से काटे गए नामों की सं या सैकड़ों छोड़, दर्जनों में भी नहीं निकली थी। इसके बावजूद, खुद मोदी-शाह की जोड़ी के नेतृत्व में भाजपा ने घुसपैठियों के खतरे का बेइंतिहा शोर मचाया था और अपने विरोधियों को, घुसपैठियों का सरपरस्त साबित करने के लिए पूरा जोर लगाया था। वैसे इसका कारण समझना भी मुश्किल नहीं है। संघ-भाजपा की शब्दावली में, जब घुसपैठिया शब्द का प्रयोग किया जाता है, तो निशाना मुसलमानों पर होता है। और जब अपने विरोधियों को घुसपैठियों का संरक्षक कहा जाता है, तो वास्तव में बहुसं यक समुदाय को यह संदेश दिया जा रहा होता है कि भाजपा के विरोधी, मुसलमानों के साथ हैं हैरानी की बात नहीं है कि खासतौर पर प. बंगाल तथा असम के, आगामी चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले के सघन दौरों में, मोदी-शाह की जोड़ी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के अपने प्रमुख हथियार के तौर पर, घुसपैठियों के खतरे और उससे लड़ने की झूठी मुद्राओं का जमकर इस्तेमाल करना शुरू भी कर चुकी है। यहां तक कि गृहमंत्री शाह तो, खुद जिन पर सीमाओं पर घुसपैठ रोकने की जि मेदारी आती है, प. बंगाल में यह बेतुका दावा करने की हद तक चले गए कि उनके राज ने, एक प. बंगाल को छोड़कर बाकी पूरे देश में विदेशी घुसपैठ पूरी तरह से रोक दी है। यह दूसरी बात है कि उन्हीं केंद्रीय गृहमंत्री की मौजूदगी में, असम में उनकी ही पार्टी के मु यमंत्री, अपने राज्य से घुसपैठियों को उखाड़ने और भगाने की अपनी करनियों का, बढ़-चढ़कर बखान कर रहे थे। और उन्हीं की पार्टी के त्रिपुरा के मु यमंत्री, असम के अपने बड़े भाई का अनुसरण करने की कोशिश कर रहे थे। वास्तव में घुसपैठियों के खतरे के प्रचार और इस खतरे से बचाने के अपने स्वांग पर, भाजपा की राजनीतिक निर्भरता अब उस मुकाम पर पहुंच चुकी है, जहां मुंबई नगर निगम के चुनाव भाजपा सबसे बढ़कर, घुसपैठियों को बाहर निकालने के वादे के आधार पर लड़ रही है। यह दूसरी बात है कि महाराष्ट्र के भाजपायी मु यमंत्री, देवेंद्र फडनवीस इस तरह से मुस्लिम विरोधी इशारों से सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने की कोशिश तक ही सीमित नहीं रहते हैं। एक कदम और आगे बढ़कर, वह बाकायदा इसका एलान करते हैं कि नगर निगम का उनका नेता %मराठी होगा, हिंदू होगा...। यह साफ तौर पर भाजपा के उच्च नेतृत्व के सीधे हिंदू राज पर पहुंच जाने को दिखाता है, जो फासीवाद की ओर एक बड़ी छलांग को दिखाता है क्योंकि भारत जैसे बहुधार्मिक देश में, हिंदू राज का मतलब, फासीवाद के बाकायदा आ धमकने के सिवा और कुछ नहीं है।

खैर! उत्तर प्रदेश में सर प्रक्रिया तक लौटें। तीन करोड़ से कुछ ही कम यानी करीब बीस फीसद मतदाताओं के नाम काटे जाना, बेशक वर्तमान सर प्रक्रिया के हिसाब से भी असाधारण है। लेकिन, उत्तर प्रदेश में सर का मामला एक और लिहाज से भी असाधारण है। राज्य के भाजपायी मु यमंत्री ने ड्रा ट सूचियां पूरी होने से ठीक-ठाक पहले ही इसकी चिंतित चेतावनी दे दी थी कि, इस प्रकार की कैंची के नीचे राज्य के करीब चार करोड़ मतदाता आने वाले हैं। इसके बाद, जब दो अवधि विस्तारों के बाद, चुनाव आयोग ने अंततः ड्रा ट सूची जारी की, जैसाकि हम बता चुके हैं, हरेक पांचवां मतदाता सूची से बाहर किया जा चुका था। लेकिन, यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। इस सूची के आने के बाद, भाजपायी राज्य सरकार और संघ-भाजपा तंत्र ने जो करना तय किया है, वह मोदीशाही में और जाहिर है कि चुनाव आयोग के पूर्ण सहयोग से, चुनाव मात्र के एक मजाक बनाकर रख दिए जाने की ओर बहुत बड़ा कदम होगा। तय यह किया गया है कि यह सत्ताधारी तंत्र, आपत्तियों तथा नये नाम जुड़वाने के दौर में, हरेक मतदान केंद्र पर 200 वोट जुड़वाएगा। उत्तर प्रदेश में, जहां 9,879 की बढ़ोतरी के साथ, मतदान केंद्रों की कुल सं या 1,74,879 हो गयी है, संघ परिवार के इस संकल्प का अर्थ करीब साढ़े तीन करोड़ वोट जुड़वाना है यानी काटे गए कुल वोटों से भी ज्यादा। यह सं या 2024 के आम चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा को मिले कुल वोट के आस-पास ही बैठेगी। कहने की जरूरत नहीं है कि इतनी बड़ी सं या में वोट जुड़वाने का मकसद, सिर्फ उत्तर प्रदेश के उन मतदाताओं के मताधिकार की रक्षा करना नहीं है, जिनके नाम सर की इस प्रक्रिया में मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण के नाम पर काट दिए गए हैं। उल्टे इनका मकसद तो एक प्रकार से सत्ताधारी तंत्र की मर्जी की मतदाता सूचियां ही तैयार कराना है। यह सिर्फ सर की पूरी प्रक्रिया को ही निरर्थक नहीं साबित कर देता है, चुनाव की प्रक्रिया को ही निरर्थक बना देता है। सत्ताधारियों के अपने लिए एक नयी जनता ही चुन लेने के रास्ते, चुनाव को निरर्थक बनाने का आधा काम चुनाव आयोग ने करीब तीन करोड़ मतदाताओं के नाम काटने के जरिए कर दिया है और बाकी आधा काम संघ-परिवार साढ़े तीन करोड़ मतदाता जोड़ने के जरिए करने का इरादा रखता है। यह वोट चोरी के सीधे-सीधे चुनाव की चोरी की ओर बढ़ने का इशारा है।

हैरानी की बात नहीं है कि खासतौर पर प. बंगाल तथा असम के, आगामी चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले के सघन दौरों में, मोदी-शाह की जोड़ी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के अपने प्रमुख हथियार के तौर पर, घुसपैठियों के खतरे और उससे लड़ने की झूठी मुद्राओं का जमकर इस्तेमाल करना शुरू भी कर चुकी है। यहां तक कि गृहमंत्री शाह तो, खुद जिन पर सीमाओं पर घुसपैठ रोकने की जि मेदारी आती है, प. बंगाल में यह बेतुका दावा करने की हद तक चले गए कि उनके राज ने, एक प. बंगाल को छोड़कर बाकी पूरे देश में विदेशी घुसपैठ पूरी तरह से रोक दी है। यह दूसरी बात है कि उन्हीं केंद्रीय गृहमंत्री की मौजूदगी में, असम में उनकी ही पार्टी के मु यमंत्री, अपने राज्य से घुसपैठियों को उखाड़ने और भगाने की अपनी करनियों का, बढ़-चढ़कर बखान कर रहे थे।

माधव गाडगिल : प्रकृति, विज्ञान और जनतंत्र के पक्षधर पर्यावरणविद्

राज कुमार सिन्हा

आज जब भारत विकास, जलवायु संकट और प्राकृतिक आपदाओं के चौराहे पर खड़ा है, माधव गाडगिल की सोच हमें यह याद दिलाती है कि प्रकृ ति के साथ सह-अस्तित्व ही टिकाऊ भविष्य का एकमात्र रास्ता है। माधव गाडगिल केवल एक वैज्ञानिक नहीं, बल्कि विकास के वैकल्पिक मॉडल के विचारक हैं। उनका जीवन और कार्य इस बात का प्रमाण है कि सच्चा विकास वही है जो प्रकृति, समाज और लोकतंत्र तीनों के बीच संतुलन स्थापित करे।

भारत में पर्यावरण संरक्षण की वैचारिक और वैज्ञानिक नींव रखने वाले जिन व्यक्तित्वों ने विकास की मु यधारा को चुनौती दी, उनमें प्रो. माधव धोंडो केशव गाडगिल का नाम अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल एक प्रतिष्ठित पारिस्थितिकी वैज्ञानिक रहे हैं, बल्कि उन्होंने पर्यावरण को लोकतंत्र, स्थानीय समुदायों और सामाजिक न्याय से जोड़कर देखने का साहसिक प्रयास किया। प्रो. माधव गाडगिल का 7 जनवरी 2026 को पुणे स्थित उनके निवास पर बीमारी के बाद 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे अपने पीछे पारिस्थितिकी विज्ञान और संरक्षण के क्षेत्र में एक गहरी और स्थायी विरासत छोड़ गए हैं। माधव गाडगिल का जन्म 24 अप्रैल 1942 को महाराष्ट्र में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से जीवविज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके पश्चात वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गए, जहां उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी (इकोलॉजी) में पीएचडी की। भारत लौटने के बाद उन्होंने अपना जीवन देश की जैव विविधता, जंगलों, आदिवासी समाज और प्राकृतिक संसाधनों के अध्ययन एवं संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। वे लंबे समय तक भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु में प्रोफेसर रहे और भारत में पारिस्थितिकी विज्ञान को एक नई दिशा दी।

गाडगिल का वैज्ञानिक कार्य मु यतः जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और मानव-प्रकृति संबंध पर केंद्रित रहा। उन्होंने यह स्थापित किया कि जंगल केवल लकड़ी या खनिज संसाधन नहीं हैं, बल्कि वे स्थानीय समुदायों की आजीविका, संस्कृति और अस्तित्व से गहराई से जुड़े हैं। उनका मानना था कि केंद्रीकृत और कॉर्पोरेट-प्रधान विकास मॉडल पारिस्थितिक असंतुलन और सामाजिक असमानता को बढ़ाता है।

इसके विकल्प के रूप में उन्होंने स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर आधारित संसाधन प्रबंधन का सिद्धांत प्रस्तुत किया। ॅद्यद्यश ऋद्गडुस्र - परंपरागत ज्ञान से पर्यावरण बचाने की राह पश्चिमी घाट रिपोर्ट और विकास की बहसः माधव गाडगिल को व्यापक राष्ट्रीय पहचान पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल के अध्यक्ष के रूप में मिली। वर्ष 2011 में प्रस्तुत यह रिपोर्ट पश्चिमी घाट को पारिस्थितिक रूप से अति-संवेदनशील क्षेत्र घोषित करने की सिफारिश करती है। रिपोर्ट में खनन, बड़े बांधों, अनियंत्रित शहरीकरण और औद्योगिक परियोजनाओं पर कड़े प्रतिबंधों की अनुशंसा की गई। साथ ही, निर्णय प्रक्रिया में ग्राम सभा और स्थानीय निकायों को केंद्रीय भूमिका देने पर जोर दिया गया। हालांकि, यह रिपोर्ट उद्योग जगत और कई राज्य सरकारों को असहज लगी और अंततः इसे कमजोर करने का प्रयास किया गया। इसके बावजूद गाडगिल रिपोर्ट आज भी पर्यावरणीय विमर्श में एक साहसिक और वैकल्पिक दस्तावेज़ मानी जाती है। वे जैव विविधता अधिनियम, 2002 के प्रमुख शिल्पकारों में से एक थे और जैव विविधता रजिस्टर की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में उनकी केंद्रीय भूमिका रही, जिससे ग्राम पंचायतों को स्थानीय संसाधनों और उनके ज्ञान की समान व न्यायपूर्ण रक्षा का अधिकार मिला।

माधव गाडगिल का सबसे महत्वपूर्ण योगदान यह है कि उन्होंने पर्यावरण को केवल वैज्ञानिक या तकनीकी मुद्दा नहीं माना, बल्कि इसे लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़ा। वे कहते रहे कि यदि निर्णय कुछ विशेषज्ञों या कॉर्पोरेट समूहों द्वारा लिए जाएंगे, तो पर्यावरण विनाश अवश्यंभावी है। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम, ग्राम सभा की भूमिका और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को संरक्षण की कुंजी माना। यह दृष्टिकोण भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में विशेष रूप से प्रासंगिक है। प्रो. गाडगिल को उनके योगदान के लिए पद्म भूषण सहित अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स मानों से नवाज़ा गया। लेकिन उनके लिए सबसे बड़ा स मान वह जनचेतना है, जिसे उन्होंने पर्यावरण के सवाल पर विकसित किया। आज जब भारत विकास, जलवायु संकट और प्राकृतिक आपदाओं के चौराहे पर खड़ा है, माधव गाडगिल की सोच हमें यह याद दिलाती है कि प्रकृ ति के साथ सह-अस्तित्व ही टिकाऊ भविष्य का एकमात्र रास्ता है। माधव गाडगिल केवल एक वैज्ञानिक नहीं, बल्कि विकास के वैकल्पिक मॉडल के विचारक हैं। उनका जीवन और कार्य इस बात का प्रमाण है कि सच्चा विकास वही है जो प्रकृति, समाज और लोकतंत्र तीनों के बीच संतुलन स्थापित करे।

विविध समाचार

अनिल विज का बड़ा एक्शन : सीईआई व एमवीआई पदों पर लूटपाट की जांच के लिए सीएम फ्लाइंग को पत्र

अंबाला १८/०१ (संवाददाता): हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने ऊर्जा विभाग में चीफ इलेक्ट्रिक इंस्पेक्टर (सीईआई) और परिवहन विभाग में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) के पदों पर हो रही कथित लूटपाट की जांच के लिए मुख्यमंत्री फ्लाइंग दस्ते को पत्र लिखा है। पत्रकारों से बातचीत में विज ने बताया कि जब से उन्हें ऊर्जा और परिवहन विभागों का प्रभार मिला है, तब से उनके पास इन पदों पर स्थानांतरण के लिए सिफारिशों का तांता लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि मुझे रोजाना सिफारिशें मिल रही हैं कि फलां व्यक्ति को एमवीआई या सीईआई के पद पर लगाया जाए। जांच करने पर पता चला कि इन दोनों पदों पर बड़े पैमाने पर लूटपाट हो रही है। इसलिए,

मैंने सीएम फ्लाइंग को पत्र लिखकर इन पदों पर छापेमारी करने और गहन जांच करने के निर्देश दिए हैं। विज ने साफ किया कि भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ष्दोनों गुजरातीष मिलकर बिहारियों के वोट का अधिकार छीन रहे हैं और उन्हें संविधान व लोकतंत्र से नफरत है, अनिल विज ने तीखा पलटवार किया। विज ने हास्य अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि पता नहीं लालू के दिमाग से क्षेत्रवाद कब जाएगा? क्या बिहार आपका खानदानी हो गया है? संविध ाान का अनुच्छेद 19 हर नागरिक को समानता का अधिकार देता है, जिसमें कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रदेश में चुनाव लड़ सकता है। उन्होंने कहा कि लालू अब डर के मारे ऐसी बातें कर रहे हैं, क्योंकि ष्हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से लालू घबरा गए हैं। सुरजेवाला को जवाब देते हुए कहा कि उन्हें चारों तरफ काला ही काला नजर आता है कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के आरोपों का जवाब देते हुए, जिन्होंने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार और किसानों का बंटाधार करने का इल्जाम लगाया, अनिल विज ने पलटवार किया। विज ने कहा, ष्सुरजेवाला को चारों तरफ काला ही काला और अंधेरा नजर आता है। हमारी सरकार किसानों को पर्याप्त बिजली दे रही है। खाद की कमी को पूरा करने के लिए हरियाणा के मंत्री ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की और जरूरत से ज्यादा खाद की व्यवस्था की।

विज ने दावा किया कि भाजपा सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है, जबकि विपक्ष केवल बेबुनियाद आरोप लगा रहा है।इस प्रकरण का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अनिल विज पत्रकारों के सवालों का जवाब देते और अपनी बात बेबाकी से रखते नजर आ रहे हैं।

अब देखना यह होगा कि सीएम फ्लाइंग की जांच में क्या खुलासे होते हैं और सरकार इस मामले में क्या कदम उठाती है।

घोर लापरवाही : 51 सीटर बस में 80 बच्चे... सरकारी स्कूल बस का नंबर भी फर्जी, पुलिस ने रोका तो मच गया हंगामा

जालंधर १८/०१ (संवाददाता): पंजाब के होशियापुर में एक दिन पहले सोमवार को बड़ा हादसा हुआ था। एक निजी बस ओवरलोडिंग और ओवरस्पीड की वजह से पलट गई और इसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई थी। बावजूद इसके अभी भी यात्री वाहन चालक सीख लेने के बजाए लापरवाही बरत रहे हैं। पंजाब के जालंधर में देश के वाले स्कूली बच्चों की जान से खिलवाड़ हो रहा है। यहां एक सरकारी स्कूल की बस की पुलिस ने जब जांच की तो हैरान कर देने वाली सच्चाई सामने आई। सरकारी स्कूल की 51 सीटर बस में 80 बच्चों को बैठाया गया था। बच्चों से खचाखच भरी बस के दस्तावेज चेक किए गए तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। क्योंकि बस में जो नंबर प्लेट लगी हुई थी वह भी फर्जी निकली। बस में लग नंबर प्लेट किसी बाइक की थी। जालंधर के श्री राम चौक पर ट्रैफिक पुलिस ने सरकारी स्कूल को रोका तो हंगामा हो गया। पुलिस ने बस का चालान काटा है। पुलिस के मुताबिक बस में

51 सीट हैं, लेकिन उसमें 80 बच्चे सवार थे। बस का नंबर भी मोटरसाइकिल है। बस चालक के राजविंदर सिंह मुताबिक वह पिछले छह महीने से ने बताया कि उसे बस के दस्तावेजों के बारे में कोई जानकारी भी नहीं है। स्कूल से जो भी आदेश आते हैं, वह उसी तरह काम करता है। वहीं जोन इंचार्ज डिवीजन नंबर चार सब इंस्पेक्टर सुखजिंदर सिंह ने कहा है कि स्कूल बस का ओवरलोडिंग, सीट बेल्ट और बस की नंबर प्लेट के चालान काटे गए हैं। पुलिस को निर्देश मिले हैं कि सभी स्कूल वाहनों की नियमित जांच की जाए। चेकिंग के दौरान उन्होंने देखा कि स्कूल बस चालक नियमों का पालन नहीं कर रहा था, जिसका चालान काटा गया।

काला रामराय गैंग से जुड़ा था ऋषि...विवाद के बाद बनाया था गिरोह, सबसे ज्यादा था यहां सक्रिय

जींद १८/०१ (संवाददाता):जींद के जुलाना में पौली गांव के पास रविवार की रात गैंगवार में मारा गया ऋषि लोहान (28) क्षेत्र का जाना माना बदमाश था। उसने साल 2020 में बीबीपुर निवासी मनोज की हत्या के साथ अपराध की दुनिया में कदम रखा था। पहले वह काला रामराय गैंग में काम करता था। हालांकि बाद में विवाद के बाद वह उसने अपना गैंग बना लिया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ऋषि धीरे–धीरे युवाओं को अपने गैंग में जोड़ रहा था। गैंगवार में घायल हुआ मनीष भी तीन–चार दिन पहले से ही उसके साथ रहने लगा था। ऋषि अविवाहित था। वह कॉलेज समय से ही बदमाशी करता था। उस पर हत्या, फिरौती, धमकी, आर्म्स एक्ट के 12 केस दर्ज थे। हांसी पुलिस ने ऋषि पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। यही नहीं साल 2021 में सीआईए पुलिस ने उसे 4 पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस ने भी फिरौती, आर्म्स एक्ट के मामले में उसे भगौड़ा घोषित कर रखा था। इधर, गैंगवार की जांच के लिए एएसपी सोनाक्षी सिंह की अगुवाई में एसआईटी गठित की गई है।

महावीर पार्क के तालाब में दो किशोरी की डूबने से मौत, टेली का कोर्स करने के बाद घुमने निकली थीं दोनों

अंबाला १८/०१ (संवाददाता):। अंबाला सिटी के महावीर पार्क स्थित तालाब में मंगलवार को दो किशोरियों की डूबने से मौत हो गई। यह हादसा दोपहर 12 बजे के के करीब हुआ। जान गंवाने वाली किशोरियों की पहचान सिटी के सुल्तानपुर की शिवपुरी

कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय अंजलि व पंजाब के बरनौली निवासी 17 वर्षीय जैसमीन के रूप में हुई। हादसे के समय पार्क में काफी लोग घुम रहे थे। चिल्लाने की आवाज सुनकर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर सिटी के नागरिक अस्पताल में लाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को ही मृत घोषित कर दिया। महावीर पार्क शहर के बीचोंबीच अग्रसेन चौक के पास स्थित है। इस पार्क में बोटिंग के लिए किश्तियां भी पड़ी हुई है लेकिन अभी बोटिंग शुरू नहीं हुई है। दोनों युवतियां सिटी के हार्टेन में टेली का कोर्स कर रही थी। सुबह 9 से 11 बजे की क्लास लगाने के बाद पार्क में आई थी।

मानवता को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने वाला पर्व

चण्डीगढ़ १८/०१ (संवाददाता): भारत की सांस्कृतिक विरासत हमें मानवीय मूल्यों से परिचित कराती है तथा ज्ञान और शाश्वत शिक्षा प्रदान करती है। इसका विविध एवं सर्वव्यापी स्वरूप सामूहिक चेतना को जागृत करता है जिसकी अभिव्यक्ति भारत में मनाए जाने वाले विभिन्न त्यौहारों के रूप में होती है। ये त्यौहार केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं हैं बल्कि ये हमारी प्रकृति के साथ जुड़ाव तथा वैज्ञानिक सोच एवं आध्यात्मिक चिंतन से जुड़े हैं। गुरु पूर्णिमा एक ऐसा ही विशेष अवसर है जो हमें इतिहास में घटित घटनाओं के बारे में रूककर विचार करने और उन्हें समझने का अवसर प्रदान करता है। यह हमें यह जानने के लिए प्रोत्साहित करता है कि विगत की परिस्थितियों में अब ज़्या बदलाव आया है, किन बातों को हम अभी भी अपनाए हुए हैं और हमने अपने पीछे ज़्या कुछ छोड़ दिया है? हमने व्यक्ति के रूप में कितनी और सामूहिक रूप में कितनी उपलज़्धियां हासिल की हैं? अपनाने और छोड़ने के इस दौर में हमारा साथ किन लोगों ने सबसे अधिक दिया? जीवन के उथल-पुथल एवं दुख से भरे समय में जबकि हमारा काफी अधिक पतन हो सकता था वैसे अस्थिर समय में किसने हमारा साथ दिया? ये सभी ऐसे प्रश्न हैं जिनके समाधान के लिए हमें गुरु या एक पथ-प्रदर्शक शक्ति की सर्वाधिक अहम भूमिका होती है चाहे वह कोई व्यक्ति हो, सिद्धांत हो या हमारे अंतर्मन की शक्ति हो जो हमारी जीवन यात्रा के दौरान सर्वाधिक शक्तिशाली मित्र के रूप में हमारा साथ निभाती है। समय की कसौटी पर खरे उतरे वे कौन से सिद्धांत हैं, जो हमें जीवन के पथ पर एक संतुलित यात्री बने रहने में सफल बनाते हैं। हमारे जीवन की इन सभी विविध परिस्थितियों के बीच प्राय: अदृश्य अथवा दृश्य, मूर्त या अमूर्त ऐसी शक्तियां होती हैं चाहे वो किसी पथ-प्रदर्शक का हाथ हो या कोई दिव्य विचार हो, मां का सानिध्य हो, शिक्षक के ज्ञान भरे शज़्द हों या किसी मित्र का साथ हो जो हमारा पथ-प्रदर्शक बन जाता है। अत: गुरु पूर्णिमा ऐसे सभी शक्तियों को चाहे वह दृश्य हों अथवा अदृश्य, जो हमारा मार्गदर्शन करती हों, हमें सही रूप में ढालती हों और हमारे जीवन में उन्नति के पथ पर हमारा साथ देती हों, सभी को सज़्मानित करने का एक पवित्र अवसर है। गुरु पूर्णिमा का त्योहार व्यक्ति के जीवन और उसके सामाजिक मूल्यों को एक सही रूप में ढालने में गुरु की भूमिका को सज़्मानित करने की एक शाश्वत परंपरा है। आसाढ़ मास की पूर्णिमा के इस दिन का गहरा आध्यात्मिक, ऐतिहासिक तथा सामयिक महत्व है ज़्योंकि इसी दिन आदिगुरु भगवान शिव ने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान प्रदान किया था। इसी दिन महर्षि वेदव्यास की जन्म जयंती भी मनाई जाती है। इसके साथ ही, पूर्णिमा के दिन से चतुर्मास आरंभ होते हैं जो मानसून के दौरान के पवित्र चार महीने हैं जबकि साधु-संत किसी एक ही स्थान पर रहकर अपने शिष्यों को ज्ञान देते हैं। आसाढ़ मास की पूर्णिमा के बारे में ऐसा कहा जाता है कि इस दिन चांद के शीतल प्रकाश की ऊर्जा हमारे आंतरिक मन को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करती है। गुरु पूर्णिमा का यह त्योहार हमें उन लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है जिन्होंने हमारे मन में ज्ञान की ज्योति जगाई है। संस्कृत शज़्द गुरु दो शज़्दों गु (अंधकार) और रु (हटाना) का संयोजन है जिसका अर्थ होता है एक ऐसा व्यक्ति जो हमारे मन से अंधकार अर्थात अज्ञानता को दूर करता हो। प्राचीन वैदिक परंपरा में गुरु शिष्य परंपरा शिक्षा का आधार थी। गुरुकुल में शिक्षार्थियों को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करके उन्हें विचारशील बनाया जाता था तथा नैतिकता का पाठ पढ़ाकर उनकी नैतिक दुविधाओं का समाधान किया जाता था। गुरुकुल में शिक्षा की यह प्रक्रिया शिक्षार्थियों को कर्म के माध्यम से मूल्य आधारित जीवन जीने व चरित्र निर्माण करने के लिए निरंतर प्रेरित करने की प्रक्रिया थी। गुरु के महत्व और महानता को केवल शज़्दों से व्यक्त नहीं किया जा सकता। गुरु मात्र एक शिक्षक ही नहीं होते बल्कि उनकी उपस्थिति ही एक ऐसी जीवंत शक्ति, एक ऐसी अनुभूति होती है जो शक्ति, मार्गदर्शन और प्रेरणा का एक निरंतर स्रोत होती है। जिस प्रकार पूर्णिमा संपूर्णता, शुद्धता और प्रकाश का प्रतीक है ठीक उसी प्रकार गुरु में भी वैसी ही महानता होती है और गुरु भी ज्ञान से संपूर्ण, निष्कपट और मन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के स्रोत होते हैं। गुरु एक छिपे हुए और कभी भी खत्म न होने वाले ज्ञान का भंडार है - उनके आशीर्वाद मौन होते हुए भी जीवन में आमूल बदलाव लाने वाले होते हैं और शिष्य के मन में सच्चाई और अच्छाई से जुड़े मूल्यों से युक्त ज्ञान व बुद्धिमज़ा भरते हैं। रामायण काल में विश्वामित्र और भगवान राम के बीच तथा भक्तिकाल में गुरु रविदास और मीरा बाई, रामानंद और कबीर, गुरु नानक देव जी और उनके बाद हुए गुरुओं के बीच का संबंध- सभी भारतीय सज़्यता में आध्यात्मिक और बौद्धिक आदान-प्रदान की अमिट विरासत के उदाहरण हैं। इन पवित्र बंधनों ने समाज को एक नैतिक ढांचा प्रदान किया और इसके आंतरिक विकास को बढ़ावा दिया। आधुनिक युग में, देश के लोगों के मन में राष्ट्रवाद की अलख जगाने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज तथा समाज को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने में समर्थ गुरु रामदास, स्वामी विरजानंद सरस्वती और स्वामी दयानंद सरस्वती का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। इसी गुरु परंपरा में स्वामी रामकृष्ण परमहंस भी हुए हैं जिनकी शिक्षा ने स्वामी विवेकानंद को एक आध्यात्मिक महापुरुष बनाया, जिन्होंने बाद में भारतीय दर्शन को पाश्चात्य देशों तक पहुँचाया। इसी प्रकार, महावतार बाबाजी, लाहिड़ी महाशय, श्री युक्तेश्वर और परमहंस योगानंद जैसे महापुरुषों द्वारा दिए गए ज्ञान की ज्योति दुनिया भर के साधकों का मार्गदर्शन करती रहेगी और उन्हें अपने मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

उनके द्वारा दिए गए ज्ञान ने विश्व-बंधुत्व की भावना को बढ़ाया है और लोगों को ज्ञान की दिव्य दृष्टि प्रदान की है। विश्व के सभी देशों में देवत्व के प्रति निष्ठा, समर्पण और व्यक्तिगत संबंध को अभिव्यक्त करने की परंपरा देखी जाती है। पश्चिमी देशों में ईश्वर की प्रार्थना के दौरान 'ओ माई मास्टर' शज़्द का प्रयोग किया जाता है जो ईश्वर के साथ गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव का सूचक है। प्रथम गुरु के रूप में मां शिशु को इस नए विश्व से परिचित कराती है और जीवन में पहला कदम उठाना सिखाती है। अगर दूसरे नजरिये से देखा जाए तो हमारी पांचों ज्ञानेन्द्रियां- कान, त्वचा, नेत्र, जिह्वा और नाक - बाहरी दुनिया से संवेदी सूचनाएं प्राप्त करती हैं, पांचों कर्मेन्द्रियां- हाथ, पांव, वाणी, गुदा, जननांग- शारीरिक क्रियाएं करती हैं तथा अंत:करण की चारों वृज़ियां - मन, बुद्धि, अहंकार और चिज़ हमारे विचारों, भावनाओं और क्रियाओं को प्रभावित करती हैं। यदि संक्षेप में कहा जाए तो, हमारी ज्ञानेंद्रियां प्रत्यक्ष जगत से प्राप्त जानकारियों को एकत्र करती हैं, मन उन्हें समझता है, बुद्धि निर्णय लेती है, अहंकार अनुभव को वैयक्तिक बनाता है, कर्मेंद्रियाँ क्रिया संपन्न करती हैं और चिज़ उसे स्मृति के रूप में दर्ज करता है। गुरु ज्ञान के जिज्ञासुओं को ज्ञान प्रदान करता है जबकि सद्गुरु अपने शिष्यों में बुद्धिमज़ा का संचार करता है। उनके मार्गदर्शन से ही इन सभी अदृश्य आंतरिक जटिलताओं के बीच हमारे मन में सद्गुणों का संचार होता है। सभी सद्गुणों से युक्त व्यक्ति एक पुष्ट फलों से युक्त फलते-फूलते वृक्ष के समान है जिसकी मज़बूत जड़ों को गुरु के ज्ञान, परिवार के सहयोग और समग्र समाज के मूल्यों से सींचा गया हो। व्यक्ति के कर्म इन आंतरिक मूल्यों की केवल अभिव्यक्ति हैं। पूर्णिमा का विशेष अवसर इन सभी तथ्यों पर आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है। यह मात्र एक खगोलीय घटना नहीं है, यह एक आध्यात्मिक दर्पण है, एक सांस्कृतिक समारोह है, एक वैज्ञानिक घटना है, तथा जीवन में नवीनता लाने, चिंतन करने तथा कृतज्ञता व्यक्त करने का एक गहन प्रतीकात्मक अवसर है। इसका महत्व धर्म, ज्ञान की विभिन्न शाखाओं और सदियों तक विस्तीर्ण है तथा हमें हमारे अंत:करण में स्थित प्रकृति की लय और चक्र की याद दिलाता है। पूर्णिमा संपूर्णता और ज्ञानोदय का प्रतीक है- एक ऐसा समय है जबकि हम अपने स्वत्व की खोज सर्वाधिक स्पष्ट रूप में कर सकते हैं, ठीक उसी प्रकार जैसे चंद्रमा सूर्य के प्रकाश को पूरी तरह से परावर्तित करता है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, सोमवार 19 जनवरी 2026 | पृष्ठ-6

नकली घी बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो लोग हिरासत में लिए गए

बरगढ १८/०१ (संवाददाता):बरगढ़ शहर के बाहरी इलाके में बरहागोड़ा स्क्वायर के पास नकली घी बनाने के आरोपों के बाद पुलिस और जिला प्रशासन ने अचानक छापा मारा।

मंगलवार देर रात यह कार्रवाई बरगढ़ के सब-कलेक्टर प्रसन्न कुमार पांडे ने की, जिसमें बरगढ़ ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

छापे के दौरान, अधिकारियों को इलाके में चल रही एक गैर-कानूनी घी बनाने वाली यूनिट का पता चला। अधिकारियों ने मौके पर ही प्लांट को सील कर दिया और यूनिट में तैयार किए गए बड़ी मात्रा में घी के साथ-साथ बनाने की प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाले दूसरे कच्चे माल और उपकरण भी ज़ब्त कर लिए। ऑपरेशन से जुड़े दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

सूत्रों के मुताबिक, गैर-कानूनी काम के पैमाने और उसके डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का पता लगाने के लिए अभी पूरी जांच चल रही है। जांच के नतीजों के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि शहर के बाहरी इलाकों में इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधियां लंबे समय से चल रही हैं। इस घटना ने लोगों के बीच फूड सेफ्टी और रेगुलेटरी नियमों को लागू करने को लेकर बड़े पैमाने पर चर्चा और चिंता पैदा कर दी है। अधिकारियों ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है और इस बात पर ज़ोर दिया है कि जिले में इसी तरह के गैर-कानूनी कामों को रोकने के लिए रेगुलर इंस्पेक्शन बढ़ाए जाएंगे।

पुनर्वास केंद्र में कैदियों के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

संबलपुर १८/०१ (संवाददाता):धनुपाली पुलिस ने नेताजी नगर स्थित पुनर्वास केंद्र में मानसिक रूप से विकलांग कैदियों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट करने के आरोप में समर्थ के दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में केंद्र चलाने वाले एनजीओ के सचिव हरिश्चंद्र दास और केंद्र की देखभाल करने वाली स्वागतिका प्रधान शामिल हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में दोनों को केंद्र के कैदियों के साथ मारपीट करते देखा गया। परेशान करने वाले वीडियो सामने आने के बाद पुलिस और जिला सामाजिक सुरक्षा अधिकारी की एक टीम ने सोमवार को जांच के लिए केंद्र का दौरा किया। वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि करने के बाद एनजीओ आदर्श शिशु मंदिर द्वारा चलाए जा रहे पुनर्वास केंद्र के कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। ज़िला थबीरा महानंद ने कहा कि केंद्र चलाने वाले संगठन के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

आरएसपी के कर्मचारियों के जीवनसाथियों के लिए संयंत्र जागरूकता भ्रमण का आयोजन

राउरकेला १८/०१ (संवाददाता): मानव संसाधन पहल प्रगति रॉ साथी के अंतर्गत, सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के कर्मचारियों के जीवनसाथियों के लिए एक संयंत्र भ्रमण का आयोजन किया गया, ताकि उन्हें संयंत्र की कार्य स्थितियों और कार्य पद्धतियों के बारे में जागरूक किया जा सके और वे प्रगति में प्रभावी भागीदार बन सकें। स्टील मेल्टिंग शॉप-2, कैल्सीनिंग प्लांट-2 और अग्नि-शमन सेवा विभाग के 20 कर्मचारियों के जीवनसाथियों को रॉ मटेरियल हैंडलिंग प्लांट, ब्लास्ट फर्नेस-5, स्टील मेल्टिंग शॉप-2, नए प्लेट मिल, हॉट स्ट्रिप मिल-2 और अग्नि-शमन सेवा विभाग का दौरा कराया गया। कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) सचिवालय के समाधान सम्मेलन कक्ष में आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-आरएम एवं टी), श्री देबासिस पटनायक ने की।

अभिविन्यास कार्यक्रम में मेहमानों को संयंत्र का संक्षिप्त विवरण और सुरक्षा पर एक वीडियो दिखाया गया। बातचीत के दौरान अधिकारियों ने आगंतुकों से आग्रह किया कि वे अपना निरंतर सहयोग जारी रखें और अपने सहयोगियों को सुरक्षा नियमों और मानकों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करें। अतिथियों को कच्चे माल की आपूर्ति से लेकर तैयार उत्पादों तक इस्पात निर्माण की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।

इस दौरे का समन्वय वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन), सुश्री संगीता सिंदूर और एमानव संसाधन (आरएम एवं टी) टीम ने संबंधित विभागों के सहयोग से किया।

20000 रुपये में बेची गई बच्ची को कटक से बचाया गया

भुवनेश्वर १८/०१ (संवाददाता): भंडारीपोखरी पुलिस ने बुधवार को कटक शहर के राजाबगीचा इलाके से एक बच्ची को बचाया, जिसे कथित तौर पर सिर्फ़ 20,000 रुपये में बेचा गया था। इससे पहले, पुलिस ने भंडारीपोखरी पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले बयाबनपुर गांव से एक महीने की बच्ची को कथित तौर पर बेचने के मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया था। यह कार्रवाई बच्ची की दादी साबित्री दास की शिकायत के बाद की गई, जिन्होंने आरोप लगाया था कि उनके बेटे सिपू दास और उनकी पत्नी रीना ने उनकी पोती को बेच दिया।

शिकायतकर्ता साबित्री के मुताबिक, दंपति सोमवार को बच्ची को अस्पताल ले गए और बाद में दूसरी जगह चले गए। हालांकि, जब वे देर रात बिना बच्ची के घर लौटे, तो उन्हें शक हुआ। सावित्री अपनी पोती के बारे में चिंता जताते हुए पुलिस स्टेशन गई थीं, उन्हें अपने बेटे और बहू पर शक था।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने उनसे पूछताछ की, तो उन्होंने उनके साथ गाली-गलौज की और मारपीट की। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस गांव पहुंची और पूछताछ के लिए सिपू दास, उसकी पत्नी और उसकी सास को हिरासत में ले लिया। इस बीच, बच्चे के पिता, सिपू दास ने दावा किया कि उन्होंने कर्ज चुकाने के लिए बच्चे को बेच दिया।

ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गंभीर

राउरकेला १८/०१ (संवाददाता): सुंदरगढ़ जिले के हेमगिर थाना अंतर्गत कांधडुड़ा गांव में रविवार की शाम को ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गिर गए। गंभीर अवस्था में उन्हें पहले हेमगिर सरकार अस्पताल फिर वहां से बेहतर इलाज के लिए सुंदरगढ़ अस्पताल स्थानांतरित किया गया है। कांधडुड़ा गांव निवासी 60 वर्षीय नंदलाल भोई रविवार शाम को पैदल सड़क पर जा रहे थे तभी कोयला लेकर जा रहे ट्रेलर की टक्कर से उन्हें गंभीर चोट लगी। गांव वालों को इसका पता चलने के बाद वे वहां पहुंचे और उन्हें लेकर हेमगिर सरकारी अस्पताल गए जहां से नंदलाल को सुंदरगढ़ अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद चालक ट्रेलर लेकर फरार हो गया।

रायरांगपुर को नया पुलिस जिला घोषित किया गया

रायरांगपुर १८/०१ (संवाददाता): ओडिशा सरकार ने रायरांगपुर में एक नया पुलिस ज़िला बनाया है, जिससे राज्य के पुलिसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को और मज़बूती मिली है। गृह विभाग ने नए पुलिस ज़िले के गठन की घोषणा करते हुए एक आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया है। नया पुलिस ज़िला बनाया गया रायरांगपुर पुलिस ज़िला मौजूदा मयूरभंज पुलिस ज़िले को बांटकर बनाया गया है, जिसका मुख्यालय रायरांगपुर में स्थापित किया गया है। नए ज़िले के जुड़ने से ओडिशा में पुलिस ज़िलों की कुल संख्या 35 हो गई है। इससे पहले, राज्य सरकार ने कानून व्यवस्था और प्रशासनिक दक्षता में सुधार के प्रयासों के तहत गंजाम और सुंदरगढ़ ज़िलों में दो-दो पुलिस ज़िले स्थापित किए थे। राउरकेला और बेरहामपुर 30 ज़िलों के अलावा अतिरिक्त पुलिस ज़िलों में शामिल थे, और भुवनेश्वर और कटक शहरी पुलिस ज़िले थे। इस फैसले का मकसद बेहतर प्रशासन, समन्वय और प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करना है। नवगठित रायरांगपुर पुलिस ज़िले में रायरांगपुर और करंजिया में दो सब-डिविज़नल पुलिस कार्यालय (स्छक्ष्ह), 14 पुलिस स्टेशन, पांच आउटपोस्ट और दो बीट हाउस होंगे। ओडिशा सरकार ने जुलाई 2025 में मौजूदा मयूरभंज पुलिस ज़िले से एक नया रायरांगपुर पुलिस ज़िला बनाने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी थी।

भुवनेश्वर एयरपोर्ट 2025 में रिकॉर्ड 5.15 मिलियन यात्रियों को हैंडल करेगा

भुवनेश्वर १८/०१ (संवाददाता): बीजू पटनायक इंटरनेशनल एयरपोर्ट भुवनेश्वर ने 2025 में 5.15 मिलियन पैसेंजर को हैंडल करके एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है, जो इसके इतिहास में अब तक का सबसे ज़्यादा है, एयरपोर्ट डायरेक्टर प्रसन्ना प्रधान ने बुधवार को यह घोषणा की।

प्रधान ने रिपोर्टर्स से कहा, यह ओडिशा के लिए गर्व का पल है। पहली बार, भुवनेश्वर ने 5.15 मिलियन पैसेंजर का आंकड़ा पार किया है। पैसेंजर ट्रैफिक के मामले में अब हम भारत का 13वां सबसे बड़ा एयरपोर्ट हैं।

दो दिनों तक कोहरे की वजह से दिक्कतों के बावजूद, मिनिस्ट्री की गाइडलाइंस के तहत ऑपरेशन आसानी से जारी रहा। अभी, भुवनेश्वर एयरपोर्ट 28 डोमेस्टिक और इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट्स ऑपरेट करता है, जिससे पूरे ओडिशा में लोगों के लिए हवाई यात्रा ज़्यादा आसान हो गई है। इस बढ़ती कनेक्टिविटी ने पैसेंजर ट्रैफिक में बढ़ोतरी में काफी योगदान दिया है। नेशनल लेवल पर, दिल्ली एयरपोर्ट सबसे बिज़ी बना हुआ है, जो सालाना लगभग 70 मिलियन पैसेंजर को हैंडल करता है, जबकि मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई एयरपोर्ट टॉप पांच में बने हुए हैं।

आरएसपी द्वारा आयोजित भव्य सड़क सांस्कृतिक प्रदर्शनी एकता महोत्सव में हजारों राउरकेलावासियों की उत्सपूर्ण भागीदारी

राउरकेला १८/०१ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) ने अम्बागान गुंडिचा मंदिर चौक से सेक्टर-4 मधुबन चौक तक एकता महोत्सव नाम का एक शानदार सड़क सांस्कृतिक महाप्रदार्शिनी का आयोजन किया। यह उत्सव आने वाले पहले राउरकेला हाफ मैराथन-2026 के लिए एक प्रोमो कार्यक्रम के तौर पर डिज़ाइन किया गया था। हजारों राउरकेलावासी इस रंगीन और जीवंत उत्सव में शामिल हुए, जहाँ संगीत, नृत्य, मस्ती, उत्सव और उत्साह का माहौल था। निदेशक प्रभारी (आर एसपी), श्री आलोक वर्मा, पूर्व निदेशक प्रभारी (आरएसपी), श्री अतनु भौमिक, अध्यक्ष, दीपिका महिला संघति, श्रीमती नम्रता वर्मा, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन),श्री तरुण मिश्र, कार्यपालक निदेशक (खान विकास एवं सीएमएलओ), श्री बी के गिरि, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), श्री विश्व रंजन पलाई, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन), श्री अनिल कुमार,कार्यपालक निदेशक (खान, ओजीओएम, सीएम एलओ), श्री एम. पी. सिंह,कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), श्री सुदीप पाल चौधरी, उप महानिरीक्षक (केंद्रीय उद्योगिक सुरक्षा बल), श्री रतन कुमार, डीएम एस की सभी उपाध्यक्षाएँ,श्रीमती प्रभाती मिश्र, श्रीमती स्मिता गिरि, श्रीमती प्रतिज्ञाँ पलाई, श्रीमती रीता रानी, श्रीमती बन्दना सिंह, श्रीमती नबनिता पाल चौधरी, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), श्री राजेश दासगुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ), डॉ. जे के आचार्य, आरएसपी के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार, राउरकेला चैंबर ऑफ़ कॉमर्स और विभिन्न अन्य प्रतिष्ठानों ने शानदार कार्निवल में भाग लिया। उल्लेखनीय है कि, आरएसपी द्वारा 24 जनवरी, 2026 को आयोजित किए जाने वाले मेगा हाफ मैराथन का विषय %रन फॉर प्रॉस्पेरिटी% है और इसका उद्देश्य राउरकेला के सभी लोगों के साथ-साथ पार्श्वांचल गांवों को शामिल करके एक समावेशी कार्यक्रम बनाना है। एकता महोत्सव में व्यक्तियों/सांस्कृतिक समूहों/सामाजिक संगठनों/शैक्षिक संस्थानों आदि की उत्साही भागीदारी देखी गई। इस कार्यक्रम में लाइव संगीत बैंड प्रदर्शन, असंख्य नृत्य प्रदर्शन, फैंसी ड्रेस डिस्प्ले, योग सत्र, जुम्बा, रंगोली कला, पेंटिंग प्रदर्शनियों, लाइव कला प्रदर्शन रचनात्मक शिल्प स्टालों और सेल्फी कोनों सहित आकर्षणों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। उत्सव के माहौल को जोड़ते हुए, इस कार्यक्रम में चाय, कॉफ़ी और विभिन्न प्रकार के मुंह में पानी आने वाले व्यंजनों की पेशकश करने वाले खाद्य स्टालों का एक आकर्षक प्रदर्शन भी दिखाया गया, जिससे यह कार्यक्रम सभी आयु समूहों के लोगों के लिए एक पौष्टिक अनुभव बन गया। आरएसपी के इन-हाउस म्यूज़िकल ग्रुप %निनाद% द्वारा एक लाइव म्यूज़िकल प्रोग्राम भी पेश किया गया, जिसमें कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया, जिससे कार्निवल में और भी रौनक आ गई। इस कार्यक्रम में 800 से ज़्यादा बच्चों सहित 1000 से ज़्यादा लोगों ने हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जबकि हज़ारों राउरकेला वासियों ने इस शानदार नज़ारे का आनंद लिया। एकता महोत्सव का उद्देश्य राउरकेला हाफ मैराथन से पहले जोश बढ़ाना और लोगों से जुड़ना था, साथ ही सामुदायिक भागीदारी, स्वस्थ जीवन और सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देना था।